सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 264 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 1 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मैं अपने खुद के प्रयासों से 100 प्रतिशत कमाने की बजाये 100 लोगों के प्रयासों से 1प्रतिशत कमाना चाहूंगा।
-जॉन डी. रॉकफेलर

पाकिस्तान ने तोड़ा बांग्लादेश का... 7 | प्रियंका-राहुल ने संभाला विस चुनावों... 3 | बस अब जाने वाली है भाजपा... 2

लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4 पीएम ने गढ़े नए प्रतिमान

20 लाख सब्सक्राइबर के साथ छुआ ऊंचाई का नया आसमान

» जन-जन की जुबां पर चढ़ रहा चैनल का नाम

» सच को आगे लाता है 4 पीएम न्यूज नेटवर्क

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सत्ता की ताकत की वजह से छिपे सच को बाहर निकाल कर आम जनतक पहुंचाने की मुहिम में जुटे देश के सबसे लोकप्रिय यू-ट्यूब चैनल ने एक फिर आसमान की नई ऊंचाइयां छुआ है। अक्टूबर में जन-जन के बीच चर्चित इस चैनल ने 20 लाख सब्सक्राइबर के साथ सभी दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। इस संख्या के साथ चैनल ने नए प्रतिमाम गढ़ दिए। यहीं नहीं अपने बेबाक रिर्पोटिंग की वजह से चैनल के व्यूज में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक महीने के भीतर इसकी संख्या 13 करोड़ से बढ़कर 14.5 करोड़ पहुंच गई है।

गौरतलब हों सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की जिद का ही नतीजा है कि 4पीएम दिनो-दिन आगे बढ़ता जा रहा है। इससे पहले 4पीएम यूट्यूब चैनल देश का नंबर वन यूट्यूब चैनल बना था। पिछले महीने डाटा बिंग्स के ताजा आंकड़ों में 134.5 मिलियन यानी साढ़े 13 करोड़ व्यूज के साथ टॉप पॉलिटिकल कमेंटेटर्स की श्रेणी में 4पीएम देश का सबसे ज्यादा देखे जाने वाले यूट्यूब चैनल बन गया। सच दिखाने की बदौलत ही 4पीएम को लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है और 4पीएम आए दिन नई-नई बुलंदियों को छू रहा है। इसी क्रम में पिछले कुछ एक महीनों से नंबर 2 पर चल रहा 4पीएम अब नंबर वन का यूट्यूब चैनल बन गया है। सितंबर के डाटा बिंग्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 4पीएम 134.5 मिलियन व्यूज और 12 प्रतिशत व्यू शेयर के साथ नंबर एक पर पहुंच गया है। इस दौरान 4पीएम ने पिछले कुछ वक्त से नंबर वन पर चल रहे डीबी लाइव को पीछे छोड़ दिया है। पिछले माह जारी किए गए आंकड़ों में 4पीएम 89 मिलियन व्यूज के साथ दूसरे नंबर पर था। लेकिन अब 4पीएम के दर्शकों में भारी इजाफा हुआ है और यही वजह है कि अब 134.5 मिलियन व्यूज के साथ 4पीएम देश का नंबर वन चैनल बन गया है।

व्यूज की संख्या में तेजी से उछाल, 14 करोड़ के पार

सच दिखाने वाला हो तो लोग लेते हैं सिर आंखों पर

4पीएम की बढ़ती लोकप्रियता ये दर्शाती है कि सत्ता से सवाल करना लोगों को आज भी पसंद है। और हर कोई सच को ही देखना चाहता है। बस कोई सच दिखाने वाला हो। इससे पहले 13 करोड़ से भी ज्यादा व्यूज और लोगों के प्यार की बदौलत 4पीएम नंबर वन तो बन ही गया। 4पीएम की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती जा रही है और कीर्तिमानों की नई ऊंचाईयों पर चढ़ती जा रही है। व्यूज के साथ-साथ 4पीएम के सब्सक्राइबर्स में भी काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। यही वजह है कि देखते-देखते सब्सक्राइबर्स की संख्या 1 मिलियन से कब 2 मिलियन के करीब पहुंच गई पता ही नहीं चला।

4पीएम के सत्ता से तीखे सवालों का सिलसिला जारी

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की जिद की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता वंदन में लगी हुई है, ऐसे में 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4पीएम देश भर में अव्वल स्थान बनाए हुए है। 4पीएम को अब तक लगभग 14 करोड़ से भी अधिक लोग लगातार देख रहे हैं और पसंद कर रहे हैं।

अन्य राज्यों में बढ़ रही 4पीएम की शाखाएं

बढ़ती लोकप्रियता और लगातार मिल रहे लोगों के प्यार का ही नतीजा है कि 4पीएम का परिवार निरंतर बढ़ता जा रहा है और 4पीएम की नई-नई शाखाएं लोगों के बीच आती जा रही हैं। शुरूआत में सिर्फ 4पीएम के नाम से एक यूट्यूब चैनल था। इसके बाद 4पीएम यूपी ने दस्तक दी। जिसपर यूपी की खबरों को प्रमुखता से दिखाया जाने लगा। 4पीएम नेशनल और 4पीएम यूपी को मिले प्यार व समर्थन के बाद देखते-देखते कब 4पीएम के क्षेत्रीय चैनलों में बढ़ोत्तरी हो गई और ये संख्या बढ़कर 1 से आठ पर पहुंच गई पता भी नहीं चला। वर्तमान समय में 4पीएम के नेशनल समेत कुल आठ चैनल चल रहे है।

महाराष्ट्र में आरक्षण पर नहीं थम रही हिंसा, मंत्री की कार पर हमला

» मराठा आरक्षण पर सियासत भी गरमाई

» यूबीटी ने कहा- संसद का सत्र बुलाए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर विरोध लगातार बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इस बीच किए जा प्रदर्शन में पथराव किया गया। इसी के साथ सियासी पारा भी चढ़ गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उधर शिवसेना उद्धव गुट ने कहा इस मामले में संसद का सत्र बुलाया जाए।

उधर नांदेड़ जिले के पुलिस अधीक्षक श्रीकृष्ण कोकाटे भी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के कुशनूर इलाके में हुई जहां सैकड़ों मराठा कार्यकर्ता समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर एकत्र हुए थे। इससे पहले कल पुणे शहर में नवले ब्रिज के पास मराठा आरक्षण समर्थक विरोध प्रदर्शन हुआ। वहीं प्रदर्शनकारियों ने बुधवार सुबह दक्षिण मुंबई में महाराष्ट्र कैबिनेट के मंत्री हसन मुशरिफ की एसयूवी में तोड़फोड़ की। इस संबंध में मरीन ड्राइव पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया है। हिंसक घटनाओं के बाद मुंबई पुलिस ने कैबिनेट मंत्रियों, राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ा दी है।

शिंदे ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

मराठा आरक्षण मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसक रूप ले चुके मराठा आरक्षण आंदोलन के बीच राज्य की स्थिति पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। लेकिन उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना (यूबीटी शिवसेना) को इस बैठक के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है।

विपक्षी दलों से समर्थन मांगेगी सरकार

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि शिंदे विपक्षी नेताओं को स्थिति से निपटने के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत कराएंगे और उनका समर्थन मांगेंगे। सीएम ने लोगों से हिंसा न करने की अपील की है और राजनीतिक दलों से भी ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल होने से बचने को कहा है।

यूबीटी शिवसेना ने कहा-हमे नहीं बुलाया गया

यूबीटी शिवसेना के सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि सर्वदलीय बैठक में उनकी पार्टी के सांसदों और विधायकों को आमंत्रित नहीं किया गया है। राउत ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में केवल महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे को बुलाया गया है। सर्वदलीय बैठक पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारी सड़कों पर हैं। विधायकों के घरों को आग लगाई जा रही है। राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। इस मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक साथ आना चाहिए। उन्होंने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है जिसमें लगभग 20-25 लोगों को बुलाया गया है, लेकिन उनकी बैठक में शिवसेना के सांसदों या विधायकों को नहीं बुलाया गया है। मराठा आरक्षण मुद्दे पर कोई समाधान निकाला जाना चाहिए।

बस अब जाने वाली है भाजपा सरकार : अखिलेश

» बोले- हैकिंग मैसेज की जांच होनी चाहिए

» जासूसी की कोशिश कर रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार उनके फोन की भी टैपिंग कराने की कोशिश कर रही है। संबंधित कंपनी ने संदेश भेजकर उन्हें सतर्क भी किया है। अखिलेश ने कहा कि इस मामले में वह कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराएंगे, लेकिन इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। साथ ही कहा कि पूर्व की एक सरकार (कांग्रेस) ने नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के फोन टैप कराए थे। वह सरकार भी चली गई और यह सरकार भी चली जाएगी। प्रदेश सपा मुख्यालय पर एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने इस तरह से फोन सर्विलांस पर लगाना लोकतंत्र को खत्म करने जैसा है। वह उनकी जासूसी करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं करेंगे।

लेकिन, यह आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी अब विपक्षियों के फोन की जासूसी करवा रहे हैं। विपक्ष की बात सुनने से ज्यादा अच्छा तो यह है कि सत्ताधारी जनता की आवाज सुन लें। उन्हें सुधार का मौका मिल जाए और फिर महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, ध्वस्त कानून व स्वास्थ्य व्यवस्था, महिला अपराध, युवाओं के रोष, गरीबों, दलितों, वंचितों, किसानों, मजदूरों के शोषण, जतीय जनगणना व सामाजिक न्याय जैसे ज्वलंत मुद्दों पर कुछ सकारात्मक काम हो सके। अखिलेश ने कहा कि जासूसी कराने वालों के अपने दल वाले इससे ज्यादा डरे हैं। बेहतर होता कि सत्ताधारी काम करें, कान न लगाएं। उन्होंने मीडिया से कहा कि हमारी तैयारी से भाजपा के लोग घबराए हुए हैं। ये भाजपा के वही लोग हैं, जो लोगों को मिलने से पहले उन्हें साबुन से नहलाते हैं। इस देश ने वो समय भी देखा है, अगर किसी ने छू लिया तो नहा करके आते थे। छुआ हुआ खाना नहीं खाते थे। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी के नोटिस पर अखिलेश ने कहा कि भाजपा हार देख घबरा गई है। देश के 100 करोड़ से ज्यादा लोग भाजपा के खिलाफ हैं। कितनों को नोटिस देगी। उन्होंने कहा कि सरकारें गलत फैसले भी लेती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कैबिनेट पॉलिसी को लेकर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव में सोशल मीडिया एजेंसियों और एआई का एक सीमा से ज्यादा उपयोग ठीक नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये कहा कि कानपुर में एक टेक्सटाइल व्यवसायी के पुत्र के अपहरण व हत्या के मामले अपराध को समुदाय विशेष से जोड़कर फिरौती की मांग करना और ऐसा करके पुलिस का ध्यान भटकाने की साजिश बेहद गंभीर मामला है।

आजम खां बनाए गए स्टार प्रचारक

सपा ने जेल में बंद आजम खां समेत कई नेताओं को मध्य प्रदेश चुनाव के लिए अपना स्टार प्रचारक बनाया है। प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल की ओर से यह सूची जारी की गई है।

नेताजी का सैफई में बनेगा भव्य स्मारक, 22 को होगा शिलान्यास

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव (नेताजी) का सैफई में 8.3 एकड़ जमीन में भव्य स्मारक बनेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बताया कि 22 नवंबर को नेताजी के जन्मदिन के अवसर पर स्मारक का शिलान्यास किया जाएगा। यह स्मारक जहां नेताजी के समाधिस्थल से जुड़ा होगा, वहीं उनके जीवन की सभी महत्वपूर्ण घटनाओं को भी वहां उकेरा जाएगा। प्रदेश सपा मुख्यालय पर अखिलेश यादव की मौजूदगी में पूर्व सांसद व कवि उदय प्रताप सिंह ने स्मारक के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि स्मारक में 4.5 एकड़ जमीन पर एक भव्य पार्क और जन सुविधाएं होंगी। लोककला की अद्भुत झलक मिलेगी, क्योंकि नेताजी लोकजन से जुड़े जीवन को ही जीते थे। इसमें गलियारे होंगे और वास्तुकला में जमीन से जुड़े होने का मुख्य आकर्षण होगा। स्मारक के चारों तरफ एक लंबी दीर्घा का प्रबंध किया गया है, जिससे समाधि स्थल तक पहुंचा जा सकता है। प्रवेश द्वार से समाधि तक पहुंचने के लिए दृश्यावलियों की श्रृंखला, चौक और प्रांगण होंगे। दोनों तरफ रमणीक खंभे होंगे। इस स्थल पर लोकतंत्र की समझ व आवश्यकता और गांधी की अहिंसा के विचार भी उकेरे जाएंगे। स्तंभों में सम्राट अशोक के युग की लुंबनी, मेरठ और इलाहाबाद की कला प्रतिबिंबित होगी। उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यह स्मारक समाजवादियों के लिए गौरव की वही अनुभूति प्रदान करेगा, जो अमेरिका के लोगों को लिंकन और जेफरसन के स्मारकों से प्राप्त होती है। अखिलेश यादव ने कहा कि हम सब लोगों की मिलकर कोशिश यही होगी कि बहुत जल्दी नेताजी का स्मारक बन करके तैयार हो जाए। ये स्मारक सैफई में इसलिए बना रहे हैं, क्योंकि नेताजी का सपना सैफई था। प्रयास रहेगा कि वर्ष 2027 से पहले इसका निर्माण पूरा हो जाए।

जातीय जनगणना से क्यों घबरा रही बीजेपी सरकार : अजय राय

» एक करोड़ लोगों से हस्ताक्षर कराएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' के सिद्धांत पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जातीय जनगणना से क्यों घबरा रही है? गौरतलब हो कि कांग्रेस जातीय जनगणना की मांग को लेकर पिछड़ों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। एक करोड़ लोगों से हस्ताक्षर कराकर इसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। इस पर हर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा भी होगी।

लोगों को जातीय जनगणना के फायदे और कांग्रेस के एजेंडे से वाकिफ कराया जाएगा। कांग्रेस के राज्य स्तरीय पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में यह फैसला लिया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर हुए सम्मेलन में प्रदेश के

हर जिले से आए पिछड़े वर्ग के लोगों ने जातीय जनगणना और आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर एकजुटता का संकल्प लिया। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि दिसंबर तक हर जिले व ब्लॉक स्तर पर शिविर आयोजित कर पिछड़े वर्ग के अध्यापकों, इंजीनियरों, डॉक्टरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि को जोड़ा जाएगा।

संसदीय समितियों को आपराधिक मामलों के जांच का अधिकार नहीं

हीरानंदानी की बेहतर तरीके से हो जांचः मोइत्रा

» कैश फॉर क्वैरी पर कल होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा की एथिक्स कमेटी से एक खास मांग की है। साथ ही महुआ मोइत्रा ने ये भी दावा किया है कि संसदीय समितियों को आपराधिक मामलों में जांच का कोई अधिकार नहीं है। ये केवल जांच एजेंसियां ही कर सकती हैं। खास बात ये है कि महुआ मोइत्रा ने ये मांग उस समय की है जब उन्हें कल यानी दो नवंबर को एथिक्स कमेटी के सामने इस मामले में पेश होना था। उन्होंने कहा है कि वो चाहती हैं इस पूरे मामले में कारोबारी दर्शन हीरानंदानी की बेहतर तरीके से जांच की जाए।

जरूरत हो उन्हें क्रॉस एक्जामिन भी किया जाए। महुआ मोइत्रा ने एथिक्स कमेटी

को पत्र लिखकर यह मांग की है, महुआ मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने कारोबारी से पैसे लेकर संसद में सवाल पूछे और संसद का अपना लॉग इन पासवर्ड भी उनसे साझा किया। गौरतलब है कि इस मामले में बीजेपी नेता निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई पहले ही एथिक्स कमेटी के सामने पेश हो चुके हैं। दोनों ने कुछ दिन पहले ही एथिक्स कमेटी के सामने पेश होने के साथ-साथ अपना पक्ष भी रखा था। इन दोनों को सुनने के बाद ही एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा था।

मनरेगा पर बनेगी बंगाल व केंद्र सरकार में बात

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के हस्तक्षेप के बाद केंद्र सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से जुड़े बकाये को लेकर राज्य के साथ अपने विवाद को हल करने की संभावना है। राजभवन के सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्यपाल ने अभिषेक बनर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं के साथ बैठक के बाद, उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह से इस मुद्दे पर बात की। सिंह ने इसके बाद बकाए के भुगतान पर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए कार्रवाई करने का वादा किया। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने संकेत दिया कि बकाया राशि के जल्द ही जारी होने की संभावना है लेकिन इसे लेकर कोई समयसीमा नहीं दी गई।

दिल्ली में मौत के आंकड़े छुपा रही आप : कांग्रेस

» बढ़ते प्रदूषण और डेंगू को लेकर मेयर से मांगा जवाब

» सिर्फ पांच मिनट चला एमसीडी सदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम का सदन महज पांच मिनट चला। हंगामे के कारण बिना चर्चा के ही 58 में से 54 महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास हुए। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय के सदन में आते ही कांग्रेस के पार्षदों ने डेंगू की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने के मुद्दे पर सवाल किए। कहा कि वायु प्रदूषण से लोगों की सांस फूल रही है, डेंगू से लोग मर रहे हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी इसके खिलाफ कोई ठोस कदम उठाने के बजाय डेंगू की रिपोर्ट को छिपा रही है।

मेयर ने पार्षदों से शांतिपूर्वक बैठने और सदन को चलने देने की अपील की। नेता सदन राजा इकबाल

सिंह ने मेयर से कहा कि वह पहले कांग्रेस के पार्षदों के सवालों के जवाब दें, फिर सदन को आगे बढ़ाएं। सदन में हंगामा बढ़ता देख मेयर ने कार्यवाही वहीं रोक दी। कांग्रेस के पार्षद डेंगू और प्रदूषण वाली ड्रेस पहनकर आए थे। मेयर करीब 25 मिनट देरी से सदन में पहुंचीं। उन्होंने नेता सदन मुकेश गोयल से शोक प्रस्ताव पढ़ने की अपील की। इससे पहले कांग्रेस के पार्षदों ने डेंगू की रिपोर्ट क्यों सार्वजनिक नहीं की जा रही, इस पर मेयर से सवाल पूछना शुरू कर दिया। कांग्रेस पार्षद शगुफ्ता ने कहा कि डेंगू के पांच हजार से ज्यादा मामले हैं, इससे लोग मर रहे हैं। वायु प्रदूषण से बच्चे, बड़े, बूढ़े सबके फेफड़े खराब हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी वादा करके सत्ता में आई थी कि निगम के हर कामकाज में पारदर्शिता रखेगी, लेकिन सत्ता में आते ही निगम की खामियों पर पर्दा डालना शुरू कर दिया। नेता सदन ने शोरशराबे के बीच शोक प्रस्ताव पढ़ा। मेयर ने नेता सदन राजा इकबाल सिंह ने कहा कि पहले वह कांग्रेस के पार्षदों के सवालों के जवाब दें फिर वह बोलेंगे। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी निगम अधिकारियों के साथ मिलकर गैर-कानूनी काम कर रही है।

हंगामा करने से संसद नहीं चल पाएगा : मेयर ओबरॉय

इस पर मेयर ने कहा कि यदि इसी तरह से हंगामा होगा तो सदन नहीं चल पाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्षदों को सीट पर जाकर बैठने के लिए कहा। उन्होने कहा कि सदन में 58 महत्वपूर्ण प्रस्ताव आए। विपक्ष ने हंगामा किया, इस पर चर्चा नहीं हो पाई। लोगों और निगम कर्मियों की भलाई के लिए 54 प्रस्ताव पास किए, एक रद्द हुआ, तीन स्थगित हुए। 5000 सफाई कर्मियों को पक्का किया, 3100 डीबीसी कर्मियों को एमटीएस में तब्दील किया।

प्रियंका-राहुल ने संभाला विस चुनावों के प्रचार की कमान

कांग्रेस ने राणनीतिक रुप से महासचिव को किया आगे

- प्रियंका की चुनावी सभाओं में जुट रही भीड़
- बीजेपी के पेशानी पर बल, दिग्गज लगा रहे चक्कर
- एग्जिट पोलों का दावा- बीजेपी और कांग्रेस की कड़ी टक्कर
- कांग्रेस की नजर युवाओं और महिलाओं पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आने वाले साल-2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां काफी तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों की ओर से वादे और दावों की बरसात भी जारी है। विपक्षी गठबंधन की ओर से एक अलायंस बनाकर मोदी सरकार को हराने के लिए कमर भी कसी जा रही है। पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों की लड़ाई भी जोर पकड़ने लगी है। जहां बीजेपी ने अपने सभी बड़े नेताओं को प्रचार में झोंक दिया है वहीं कांग्रेस ने प्रियंका गांधी, राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे पर प्रचार का दारोमदार डाला है। इन सभी नेताओं ने रैलियां व जनसभाएं शुरू कर दी है। रैलियों में भीड़ भी जुट रही है। कुछ राज्यों में कांग्रेस की जनसभा में भारी भीड़ उमड़ रही है। वंही वीडियोज ऐसे भी आ रहे जहां बीजेपी के बड़े नेताओं की रैलियों में कुर्सियां खाली चल रहीं हैं।

खैर इसमें कोई शक नहीं सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों अच्छी खासी मेहनत कर रहे है। आने वाले चुनावों के परिणाम से पता चलेगा की किसकी मेहनत कितनी सफल होती है। इन सब के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बीजेपी को हराने के फॉर्मूले का भी जिक्र किया। वहीं हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस आक्रामक है। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी उसने पूरी ताकत झोंक दी है।

महिलाओं में बढ़ रही प्रियंका की पैठ

दोनों राज्यों में कांग्रेस के पास स्थानीय स्तर पर कोई बड़ा महिला चेहरा नहीं है। यही कारण है कि उसने प्रियंका गांधी वाड्रा को आगे किया है। महिला और गांधी परिवार का होने के नाते वह महिलाओं के मुद्दों उठाते हुए उनसे ज्यादा कनेक्टेड दिखती हैं। वह राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का बड़ा चेहरा हैं। कांग्रेस की ओर से जब वह कुछ बोलती हैं तो उसके मायने होते हैं।

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसका खास फोकस है। इनमें से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में वह सत्ता में है। वहीं, मध्यदेश में वह बीजेपी को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए हर मुमकिन कोशिश में जुटी हुई है। इन राज्यों में महिला मतदाताओं की भूमिका बहुत अहम साबित होने वाली है। शायद यही कारण है कि कांग्रेस ने किसी और से ज्यादा प्रियंका गांधी वाड्रा पर दांव लगाया है। पार्टी ने इन राज्यों में महिला मतदाताओं को रिझाने के लिए उन्हें आगे किया है। उनके मुंह से कांग्रेस ने महिलाओं से जुड़ी कई घोषणाएं कराई हैं। मसलन, घर की मुखिया महिला को हर साल 10 हजार रुपये, महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये और एक करोड़ परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने जैसे बड़े ऐलान हुए हैं। महिलाओं को केंद्र में रखकर कांग्रेस की ये घोषणाएं चुनाव परिणामों पर असर डाल सकती हैं। तमाम एग्जिट पोलों से पता चलता है कि इन राज्यों में बीजेपी और कांग्रेस की कड़ी टक्कर होने वाली है। पहले बात मध्यप्रदेश की कर लेते हैं। यहां बीजेपी सत्ता में है। प्रियंका ने मध्य प्रदेश में ताबड़तोड़ स्कीमों का ऐलान किया है। उन्होंने यहां हरेक महिला को प्रत्येक महीने 1,500 रुपये देने की बात कही है। बच्चों के लिए भी खूब गारंटी दी गई हैं। इसके तहत 8वीं तक के बच्चों के लिए एक हजार रुपये और 11-12वीं के बच्चों को हर महीने 1,500 रुपये देने का वादा किया है। राजस्थान में प्रियंका ने घर की मुखिया महिला को सालाना 10 हजार रुपये देने को कहा है। वहीं, 1 करोड़ परिवार को 500 रुपये की किफायती दर से रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का प्रॉमिस किया है। छत्तीसगढ़ जाकर भी प्रियंका ने कुछ इसी तरह के मिलते-जुलते वादे किए हैं। ध्यान से देखें तो ये तमाम वादे महिलाओं और युवाओं के इर्दगिर्द किए गए हैं। कांग्रेस इसके जरिये बड़े वर्ग को चुनाव में टारगेट करना चाहती है। इसका गणित समझने के लिए कुछ आंकड़ों को देखते हैं। इसके लिए राजस्थान का उदाहरण लेते हैं। राज्य में 2.73 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। इनके मुकाबले महिला वोटरों की संख्या 2.53 करोड़ है। यह और बात है कि महिला वोटर ही चुनाव का रुख तय करती हैं। 2018 में कुल 74.72 फीसदी वोट पड़े थे। इनमें से पुरुषों का वोट 73.79 फीसदी था। वहीं, महिला वोटों का प्रतिशत 74.67 फीसदी। कांटे की टक्कर में इसने सत्ता की चाभी कांग्रेस को थमा दी थी। यही कारण है कि कांग्रेस महिला और युवा वोटरों को अपने साथ खड़ा करना चाहती है।

बीजेपी प्रियंका को नहीं लेगी हल्के में

महिलाओं को केंद्र में रखकर प्रियंका गांधी के चुनावी पिच पर उतरने को बीजेपी कतई हल्के में लेने की भूल नहीं कर सकती है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कांग्रेस इसी तरह के वादे करके बीजेपी को पटखनी दे चुकी है। यानी उसे सफलता का फॉर्मूला दिख चुका है। बेशक, उज्ज्वला, जनधन, हर घर शौचालय जैसी योजनाओं के जरिये बीजेपी ने महिला मतदाताओं में अपनी पैठ मजबूत की है। लेकिन, यह काफी नहीं है। जनता की अपेक्षा हमेशा ज्यादा की होती है। यह तब और बढ़ जाती है जब विपक्षी बढ़चढ़ वादे करते हैं।

बीजेपी के पास पांच मजबूत किले, 3 टूटे तब बने बात : पीके

प्रशांत किशोर ने बीजेपी के पांच मजबूत किलों का जिक्र किया है। प्रशांत किशोर ने बताया कि बीजेपी को हराना है तो इन 4 में से 3 का टूटना जरूरी है। इसके बिना बीजेपी नहीं हारेगी। प्रशांत किशोर ने बताया कि बीजेपी को हराना है तो इन 4 में से 3 का टूटना जरूरी है। इसके बिना बीजेपी नहीं हारेगी। प्रशांत किशोर ने बिहार की जनता का जिक्र करते हुए कहा कि यहां की जनता को जिताने के लिए आया हूं। पहला है विचारधारा, जिसको आप हिंदुत्व कहते हैं। दूसरा नेशनलिज्म है, तीसरा लाभार्थी और चौथा ऑर्गेनाइजेशनल, पांचवा फाइनेंशियल पॉवर है। किशोर ने कहा कि आप भाजपा को चुनौती देना चाहते हैं, तो आपको उसकी ताकत को समझना होगा। यदि आप इनमें से कम से कम तीन स्तरों को भेद नहीं पाते हैं तो आप भाजपा को चुनौती नहीं दे सकते।

तमिलनाडु में बीजेपी कर सकती है उलटफेर!

प्रशांत किशोर ने कहा कि तमिलनाडु में बीजेपी एक बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरेगी। जो लोग सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा दमदार पकड़ बीजेपी की तरफ से तमिलनाडु में बनाई जा रही है। मिशन 2024 में जुटी भारतीय जनता पार्टी ने तमिलनाडु पर फोकस बढ़ा दिया है। बीजेपी की ओर से तमिलनाडु की कमान खुद गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल ली है। शाह जून और जुलाई में तमिलनाडु का दौरा कर चुके हैं। शाह ने बीजेपी नेताओं को 25 सीट जीतने का लक्ष्य दिया है।

रेल हादसे पर सियासत : मोदी सरकार पर विपक्ष का प्रहार

- कांग्रेस बोली सरकार की वरीयता में नहीं है रेल
- रेलमंत्री ने कहा- सुरक्षा को करेंगे चाक-चौबंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस साल एक के बाद एक ट्रेन एक्सीडेंट को लेकर सरकार निशाने पर आ गई है। रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में ट्रेन हादसे से पहले इसी महीने के शुरू में आनंद विहार कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इसके पहले ओडिशा में ट्रिपल ट्रेन एक्सीडेंट हुआ था। उसमें 292 लोगों ने जान गंवाई थी। इसको लेकर सियासत भी गर्माने लगी है। पूर्व रेल मंत्रियों समेत कई नेताओ ने मोदी सरकार पर हमला भी बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि पीएम मोदी व रेल मंत्री वैष्णव के रेल सुरक्षा के दावे हवा हवाई साबित हो रहे हैं। हालांकि रेल मंत्रालय ने कहा है कुछ चूक से इस तरह की घटनाएं घट गई इसकी जांच करके ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि आगे से ऐसा न हो।

दरअसल आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में रविवार शाम को हुए भीषण ट्रेन हादसे के बाद सवाल उठने लगे हैं। इसमें कई यात्रियों ने जान गंवाई है। तमाम घायल हैं। यह हादसा 11 अक्टूबर को आनंद विहार कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक?सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्?त होने के बाद हुआ है। यह ट्रेन रघुनाथपुर स्टेशन पर पटरी से उतर गई थी। इसमें पांच यात्रियों की मौत हुई थी। 30 से ज्यादा घायल हुए थे। इसके पहले आडिशा में बालासोर ट्रिपल ट्रेन त्रासदी हुई थी। तब कोरोमंडल एक्सप्रेस और अन्य दो ट्रेनें एक-दूसरे से टकरा गई थीं। इसमें 292 यात्रियों की जान गई थी। इन सिलसिलेवार ट्रेन हादसों पर दो पूर्व रेल मंत्रियों की प्रतिक्रियाएं आई हैं। इनमें ममता बनर्जी और लालू प्रसाद यादव शामिल हैं। दोनों ने रेलवे पर सवाल उठाए हैं। पूछा है रेलवे नींद से कब जागेगा? हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा? विशाखापत्तनम से लगभग 40 किलोमीटर दूर कांतकपल्ले में रविवार शाम करीब सात बजे पलासा यात्री ट्रेन ने रायगड़ा यात्री ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी थी। इससे उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए।

कब नींदं से जागेगा रेलवे : ममता

बंगाल की मुख्यमंत्री और पूर्व रेल मंत्री ममता बनर्जी ने आंध्र प्रदेश में ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना की तत्काल जांच कराए जाने की मांग की है। दावा किया है कि इस प्रकार की रेल दुर्घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण रूप से बार-बार होने वाली घटनाए बन गई हैं। बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक और विनाशकारी रेल टक्कर। इस बार दुर्घटना आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में हुई जिसमें दो यात्री ट्रेन शामिल थी। उन्होंने कहा, रेलगाड़ियों के बीच आमने-सामने की टक्कर होना, डिब्बों का पटरी से उतरना, असहाय यात्रियों का डिब्बों में फंस जाना और भाग्य के आगे मजबूर हो जाना, यह दुर्भाग्यपूर्ण रूप से बार-बार होने वाली घटनाएं बन गई हैं। मैं पीड़ितों के परिजन के प्रति एकजुटता व्यक्त करती हूं, अत्यधिक तेजी से बचाव कार्य करने और हादसे की तत्काल जांच कराए जाने की मांग करती हूं। रेलवे नींद से कब जागेगा?

हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा : लालू

लगातार हो रही ट्रेन दुर्घटनाओं पर लालू प्रसाद यादव ने भी केंद्र की आलोचना की है। विजयनगरम में हुए भीषण ट्रेन हादसे के बाद राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने इस पर गहरी चिंता जताई। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पूछा कि देश में लगातार हो रहे ट्रेन हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा?राजद प्रमुख ने कहा, आंध्र प्रदेश में दो यात्री ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। मैं मृतकों के परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। लालू ने लिखा, देश में लगातार हो रही रेल दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा? हेडलाइन मैनेजमेंट के जरिये वे कितने दिनों तक हताहतों की संख्या छिपाएंगे? सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे भारी घाटे में है। उन्होंने निजीकरण के माध्यम से भारतीय रेलवे का सब कुछ नष्ट कर दिया है। पलासा और रायगड़ा पैसेंजर ट्रेनों की टक्कर से पहले 11 अक्टूबर को आनंद विहार कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के रघुनाथपुर स्टेशन पर पटरी से उतर जाने से पांच यात्रियों की मौत हो गई थी। 30 से ज?यादा घायल हो गए थे। उसके पहले बालासोर ट्रिपल ट्रेन त्रासदी ओडिशा में हुई थी। उसमें कोरोमंडल एक्सप्रेस और अन्य दो ट्रेनों के एक-दूसरे से टकराने से 292 यात्रियों की जान गई थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वकीलों को कोर्ट ने लगाई फटकार

> "न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) रखने का उद्देश्य यह है कि याचिकाओं की प्रारंभिक जांच हो। इसमें कहा गया है कि एओआर पदनाम केवल याचिकाओं पर हस्ताक्षर करने वाला प्राधिकारी नहीं होना चाहिए। बता दें कि इस पीठ में न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा भी शामिल हैं।

अदालत की पीठ ने वकीलों को फटकार लगाते हुए कहा कि आप उठते हैं, अपनी फीस जमा करते हैं और याचिका दायर कर देते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है। आपके बार लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 20 और 22 को (अल्ट्रा वायर्स) संविधान का उल्लंघन करने वाला घोषित करने की मांग वाली याचिका का मसौदा तैयार करने और उसे दाखिल करने को लेकर तीन वकीलों को डांट लगाई है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) रखने का उद्देश्य यह है कि याचिकाओं की प्रारंभिक जांच हो। इसमें कहा गया है कि एओआर पदनाम केवल याचिकाओं पर हस्ताक्षर करने वाला प्राधिकारी नहीं होना चाहिए। बता दें कि इस पीठ में न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा भी शामिल हैं। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका कैसे दायर की जा सकती है? पीठ ने यह भी पूछा कि एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड और मसौदा वकील कौन है? उन्होंने इस पर हस्ताक्षर कैसे किये? पीठ ने वकीलों से आगे कहा कि कुछ जिम्मेदारी होनी चाहिए। और आप (बहस कर रहे हैं), आप कैसे सहमत हुए? बार में आपकी स्थिति क्या है? यह बहुत गंभीर है। इसने हमारी अंतरात्मा को झकझोर दिया है कि ऐसी याचिका दायर की गई है।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने तीनों वकीलों को एक हलफनामा दायर कर यह बताने का निर्देश दिया है कि उन्होंने किन परिस्थितियों में अदालत के समक्ष ऐसी याचिका दायर की। पीठ ने कहा कि एओआर को केवल हस्ताक्षर करने वाला प्राधिकारी नहीं बनना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु निवासी एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि भारत के संविधान, 1950 के अनुच्छेद 20 और 22 को, भारत के संविधान, 1950 के भाग-3 के अधिकारातीत, अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन घोषित किया जाए। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 20 अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण से संबंधित है। वहीं, अनुच्छेद 22 कुछ मामलों में गिरफ्तारी और हिरासत से संरक्षण से जुड़ा है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 20 और 22 को अनुच्छेद 14 (विधि के समक्ष समानता) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) सहित कुछ अन्य अनुच्छेदों का उल्लंघन करने वाला घोषित करने की मांग की गई है। संविधान के अनुच्छेद 145 के तहत सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाए गए नियमों के अनुसार शीर्ष अदालत में किसी पक्ष की तरफ से 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' का दर्जा रखने वाले वकील ही दलील रख सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्यान्न संकट के बीच कुपोषण की चुनौती

सुबीर रॉय

नवीनतम वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत को 111वें स्थान पर रखा गया है, यह जगह 125 मुल्कों में न केवल सबसे निचले पायदानों की है बल्कि हम पड़ोस के बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान से भी पिछड़े हुए हैं। उम्मीद के मुताबिक भारत सरकार की ओर से खंडन आना ही था। भारत ने इस सूचकांक को नकारते हुए कहा है भुखमरी पैमाना के इस ढंग में प्रणालीगत खामियां हैं। यहां तक कि एक कदम आगे जाकर इसको वह हरकत ठहराया है, जिसमें 'बदनाम करने का इरादा' झलकता है। यह सूचकांक वेल्ट हंगर हाइफे (डब्ल्यूएचएच) और कंसर्न वर्ल्डवाईड नामक दो नामचीन संस्थानों द्वारा बनाया जाता है। यह भांपते हुए पिछले सूचकांकों की भांति भारत इस बार भी आकलन पर एतराज करेगा, दोनों संस्थाओं ने भारत सरकार से बात करने के बाद और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा उपलब्ध डाटा को शामिल करते हुए यह सूचकांक जारी किया है।

असल में, यह सूचकांक समूची वैश्विक व्यवस्था के लिए बुरी खबर बता रहा है। वैश्विक भुखमरी का आंकड़ा बहुत ऊंचे स्तर पर बना हुआ है और इसको नीचे लाने पर प्रगति पिछले सालों में ठहरी-सी है। वर्ष 2008 और 2015 के आंकड़ों में उभार (जो कि वास्तव में स्थिति और बिगड़ने का द्योतक है) अपने से पिछले साल के मुकाबले चार बिंदु अधिक रहा, वहीं 2023 का नवीनतम आंकड़ा 2015 से एक बिंदु कम है। साथ ही, कुपोषण की रेखा भी असल में ऊपर उठी है। वैश्विक और राष्ट्रीय सूचकांक की गणना करने में चार संकेतक इस्तेमाल किए जाते हैं। कुपोषण (नाकाफी कैलोरी ग्राह्यता), लंबाई में आशातीत वृद्धि न होना (उम्र के अनुसार कम लंबाई), कम भार (लंबाई के मुताबिक कम भार) और शिशु-मृत्यु दर (पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत)। वर्तमान लेखा-जोखा बताता है कि वर्ष 2030 तक विकास ध्येय पाने की पूर्ति में उपरोक्त चारों संकेतक आशान्वित नहीं करते।

2030 तक शून्य भुखमरी ध्येय पाने की दिशा में, 58 राष्ट्र यानी कि नवीनतम सूची में शामिल लगभग आधे देश, शून्य का आंकड़ा पाना तो दूर की बात है, न्यूनतम-भुखमरी स्तर की प्राप्ति भी नहीं कर पाएंगे। वर्ष 2015 से 2023 के बीच बनी इस अधोगति का अध्ययन दो कारण बताता है। पहले कोविड-19 महामारी का आना और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध, जिससे खाद्य कीमतों

में बहुत ऊंचा उछाल आया। कुछ गरीब मुल्कों में तो लोग एक वक्त के भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। छोटे स्तर में ही सही, गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाकर भारत ने भी अंतर्राष्ट्रीय खाद्य तंगी और उच्च मूल्य बनाने में भूमिका निभाई है क्योंकि सबसे बड़े चावल निर्यातकों में भारत एक है। चिंताजनक यह है कि वैश्विक खाद्य स्थिति में सुधार होने की संभावना नहीं दिख रही। अतिशयी मौसमीय मार (जो कि पर्यावरणीय बदलावों का नतीजा है) लगातार बढ़ने लगी है और जिससे बनी बाढ़ या सूखे खाद्यान्न उत्पादन पर असर डालते हैं। इसके साथ ही, यदि इस्राइल-हमास लड़ाई में आसपास के मुल्क भी कूद पड़े तो इससे खाद्यान्न आपूर्ति में आगे अनिश्चितता बनेगी और कीमतें और ऊपर उठेंगी। सूचकांक में प्रयुक्त हुए चार संकेतकों में तीन में भारत और पड़ोसी देश सबसे खराब श्रेणी में नहीं आते अर्थात उम्र-बनाम-लंबाई, कुपोषण और शिशु-मृत्यु दर में। लेकिन भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश लंबाई-बनाम-भार श्रेणी में सबसे अधिक प्रभावित वर्ग में है। इन तीनों में, भारत का आंकड़ा सबसे अधिक 18.7 फीसदी होने के कारण स्थिति सबसे खराब है, तो श्रीलंका (13.1 प्रतिशत) और बांग्लादेश 11 फीसदी स्कोर के साथ सबसे ऊपर है। यह दृश्यावली उस बृहद हकीकत से भी बंधी है, जिसमें बांग्लादेश कहीं ज्यादा गरीब होने के बावजूद मानव विकास संकेतकों में भारत से ऊपर स्थान पर है। सूचकांक रिपोर्ट में नीतियों में सुधार के वास्ते कई सिफारिशें सुझायी गई हैं। कहा गया है कि खाद्य व्यवस्था में बदलाव करने में 'भोजन का अधिकार' को प्रक्रिया का आधार बनाया जाए।

इस खाद्य व्यवस्था के रूपांतरण प्रक्रिया में युवाओं की क्षमताओं पर निवेश किया जाए। सततापूर्ण, न्यायसंगत और लचीली खाद्य व्यवस्था में निवेश करके सुनिश्चित किया जाए कि वे युवा जनसंख्या को व्यवहार्य और आकर्षक कमाई करने का मौका मिल पाए। भारत सरकार के लिए इसका मतलब है, 'भोजन का अधिकार' बनाना, जो भले ही संविधान में लिखित रूप में न हो परंतु 'शिक्षा का अधिकार' की भांति सबकी एक वास्तविक जरूरत है। जिस तरह 'शिक्षा का अधिकार' कार्यक्रम पर क्रियान्वयन हुआ है, लगता है चाहे 'अधिकार' शब्द से यह जरूरत कानूनन रूप से पाने की राह खुलती हो, पर जब तक इस पर अमल अर्थपूर्ण न हो पाएगा तब तक यह न्यायसंगत नहीं बन पाएगी।

खुशी के साथ जरूरी भी है चौकसी

क्षमा शर्मा

उत्तर भारत में नवरात्रि से लेकर दिवाली तक त्योहार ही त्योहार होते हैं। आजकल त्योहारों का मौसम ही चल रहा है। इन दिनों में बच्चों की खुशी देखने लायक होती है। एक तो छुट्टियां दूसरे घर में बनते पकवान, घर के अन्य सदस्यों, नाते, रिश्तेदारों, माता-पिता के मित्रों उनके बच्चों से मिलना-जुलना। हर रोज के उत्सव और पार्टियां भी। अक्सर परिवारों में अन्यों से पहले बच्चों की पसंद की खाने-पीने की चीजें बनती हैं। आखिर ऐसा और कौन-सा दूसरा वक्त होगा जब सब कुछ मन का हो रहा हो। बच्चों के खेल-कूद और धमा-चौकड़ी का भी यही समय होता है। इन दिनों बाजार में तरह-तरह के खिलौनों की भरमार होती है। तीर कमान, गत्ते और टीन की तलवारें, पटाखे भी खूब मिलते हैं। टोलियों में निकले बच्चे इन्हें खूब चलाते भी हैं। लेकिन तीर, कमान या तलवारें खतरनाक भी हो सकती हैं, यह उन्हें मालूम नहीं होता।

माता-पिता या घर के बड़े खरीदकर तो देते हैं लेकिन इनके प्रयोग में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए, ये नहीं बताते। बताते भी हैं तो खेल दीवाने बच्चे शायद इस पर ध्यान नहीं देते। यों भी बच्चों की दुनिया में खतरों की कोई जगह नहीं होती। यहां कुछ उदाहरण याद आ रहे हैं। शायद इनके बारे में पढ़कर हम कुछ सचेत हों। यह लगभग पैंतीस साल पहले की बात है। पड़ोस में एक परिवार रहता था। नौकरीपेशा लोग थे। उनके दो बच्चे थे। बड़ा बेटा पांच-छह साल का था, दूसरा उससे छोटा। दोनों बच्चे अपने पिता के साथ दशहरा मेला देखने गए थे। वहां से उन्होंने अन्य सामान के साथ तीर-कमान भी लिए। अगले दिन ये बच्चे घर के सामने की सड़क पर अपने दोस्तों के साथ खेलने लगे। दोस्तों के पास भी अपने-अपने तीर-कमान थे। वे अपने को दशहरे मेले में देखी तीरंदाजी का सबसे बड़ा नायक समझ रहे थे। कुछ बच्चों को पता तो होता नहीं कि तीर उस दिशा में चलाना चाहिए जहां कोई न खड़ा हो। न उन्हें किसी ने बताया ही होगा।

बस एक बच्चे ने तीर चलाया तो वह पड़ोसी के बड़े बेटे की आंख में जा घुसा। और आंख हमेशा के लिए चली गई। परिवारजन बच्चे को न जाने किस-किस अस्पताल में ले गए लेकिन कुछ नहीं किया जा सका। माता-पिता हमेशा इस बात के लिए खुद को कोसते कि जिस तीर कमान-को वे खेलने की चीज समझ रहे थे, क्या पता था कि किसी और बच्चे के चलाए तीर के कारण उनके बच्चे की आंख चली जाएगी। यों किसी भी बच्चे के साथ वह दुर्घटना हो सकती थी जो उनके बच्चे के साथ हुई। डाक्टर्स कहते हैं कि इन दिनों उनके पास बड़ी संख्या में ऐसे रोगी आते हैं जिनकी आंखों में चोट लगी होती है। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे होते हैं। वे इस तरह के खिलौने से खेलने के लिए भी मना करते हैं। इसीलिए अगर घर वाले बच्चों को ऐसे खिलौने दिलवा भी रहे हैं तो उनका सावधानी से प्रयोग करना भी उन्हें सिखाएं।

दूसरी घटना भी एक बच्चे से ही जुड़ी है। दिवाली का दिन था। एक बच्चा बहुत से पटाखे लाया था। रात के वक्त कुछ देर तक तो मां साथ में खड़ी होकर पटाखे चलवाती रही लेकिन फिर वह किसी काम से अंदर चली गई। आखिर त्योहार के दिनों में घर वालों को वैसे ही बहुत काम होते हैं।

इधर बच्चे ने एक पटाखा जलाने की कोशिश की, वह नहीं जला तो उसने उसे जेब में रख लिया। और दूसरा पटाखा जलाने की कोशिश करने लगा। इतने में जेब में रखा अधजला पटाखा फट गया। बच्चे ने सिंथेटिक कपड़े पहन रखे थे, वे पूरी तरह से शरीर से चिपक गए। इसलिए वह बुरी तरह से झुलस गया। बच्चे की चीखें सुनकर घर वाले और पास पड़ोसी दौड़े आए। बच्चे के माता-पिता उसे लेकर अस्पताल दौड़े। बहुत दिनों तक उसका इलाज चलता रहा। मगर वह ठीक नहीं हो सका। माता-पिता आज इतने साल बाद भी बच्चे को याद करके रोते हैं। सोचते हैं कि जब बच्चा पटाखे जला रहा था तो काश वे उसके साथ होते। शायद उसके साथ वह न होता जो हुआ। आपने ध्यान दिया होगा कि दिवाली पर अक्सर जगह-जगह आग लगने की सूचनाएं आती रहती हैं। बहुत से लोग दुर्घटनाओं का शिकार भी होते हैं। इस अवसर पर अस्पतालों में अलग से बर्न वार्ड बनाए जाते हैं जिससे कि आग और पटाखों से घायल होने वाले लोगों का जल्दी और सही ढंग से इलाज किया जा सके। ऐसी दुर्घटनाएं होती भी बहुत हैं। तीसरी घटना हाल ही में एक बच्ची से जुड़ी है। वह भी मेले से टीन की तलवार खरीदकर लाई थी। एक दिन घर के आंगन में टीन की तलवार से खेल रही थी। न जाने उसे क्या सूझा कि वह उसे पेट में घुसाकर खेलने लगी।

अचानक तलवार पर जोर पड़ा और वह नुकीली होने के कारण पेट में घुस गई। वह तो खैरियत थी कि अस्पताल पास में था और तलवार बहुत ज्यादा गहरी नहीं घुसी थी। इसलिए बच्ची ठीक हो गई। ये मात्र तीन घटनाएं हैं लेकिन इनके बारे में जानकर अंदाज लगाया जा सकता है कि देशभर में ऐसी न जाने कितनी घटनाएं होती होंगी। जिनके कारण बच्चों और उनके घर वालों की जान आफत में आ जाती होगी। बच्चों को खिलौने जरूर दिलाएं मगर क्या जरूरी है कि वे ही खिलौने हों जिनसे उन्हें गम्भीर चोट लग सकती है। त्योहारों में चंचल बच्चे खेलें-कूदें, उल्लास भी मनाएं लेकिन वे खेल-कूद ऐसे हों, जहां उनकी सुरक्षा भी रहे। इस बारे में माता-पिता को भी सावधानी बरतनी चाहिए। वैसे तो पटाखे चलाए ही क्यों जाएं। लेकिन बच्चों को समझाना बहुत बार मुश्किल होता है। बच्चे अपने दोस्तों से भी प्रेरित होते हैं।

सर्दियों में अपने डाइट में शामिल करें

आंवला

कई घातक बीमारियों के इलाज में है रामबाण

ठंड का मौसम आते ही बाजार में तरह-तरह के फलल देखने को मिलते हैं। उनमें से एक आवंला भी शामिल होता है, जो ठंड से बचाने व कई बीमारियों का रामबाण इलाज भी माना जाता है। आंवला एक ऐसा फल है, जिसमें कई तरह के औषधि गुण पाए जाते हैं। अगर आप अपने खान पान में इसको शामिल कर लेते हैं, तो कई सारे फायदे देखने को मिलेंगे। इसमें विटामिन भरपूर मात्रा में पाई जाती है। इसके साथ ही इसमें फाइबर, फोलेट, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, फॉस्फोरस, आयरन, ओमेगा-3, मैग्नीशियम और कैल्शियम की मात्रा पाई जाती है। इसलिए यह पोषक तत्व शरीर के लिए बहुत ही लाभकारी माना जाता हैं।

स्किन और बालों को डैमेज होने से बचाता है

आंवला के सेवन से इम्यून सिस्टम तेज तो होता है, लेकिन इससे स्किन और बालों को डैमेज होने से बचाता है। आंवला कैंसर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों के लिए रामबाण इलाज है।

आवंला औषधीय गुणों से भरपूर

आंवला में विटामिन-ष्ट और बीटा-कैरोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। आंवला एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो कि कई बीमारियों का रामबाण इलाज भी माना जाता है। आंवला के सेवन से बॉडी में सेल्स को डैमेज होने से बचाता है।

आंवला से इम्यून सिस्टम तेज

आंवला की सबसे खास बात यह है कि सर्दियों में इम्यून सिस्टम को बहुत तेज करता है। अगर किसी के शरीर में घाव ज्यादा होते हैं, तो इसके सेवन से घाव जल्दी भर जाते हैं। इसके अलावा, जिनके बालों में झड़ने की समस्या होती है, या नाखून से संबंधित समस्या होती है, तो इसके सेवन से काफी लाभ होता है।

हृदय के लिए फायदेमंद

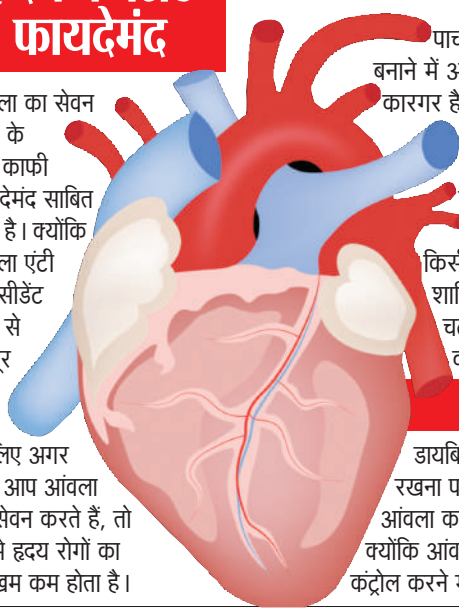

आंवला का सेवन हृदय के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। क्योंकि आंवला एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, इसलिए अगर आप आप आंवला का सेवन करते हैं, तो इससे हृदय रोगों का जोखिम कम होता है।

पाचन तंत्र के लिए है बेहतर

पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में आंवली बहुत कारगर है। इसके नियमित सेवन से कब्ज, खट्टी डकार और गैस की समस्या से छुटकारा मिलता है। आप आंवला को किसी न किसी रूप में आपको अपने भोजन में शामिल करना चाहिए। आप आंवले की चटनी, मुरब्बा, अचार, जूस का सेवन करने अपने आपको स्वस्थ रख सकते हैं और पाचन क्रिया की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

डायबिटीज को करे कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का खास ध्यान रखना पड़ता है, इसलिए ऐसे में अगर डायबिटीज के मरीज आंवला का सेवन करते हैं, तो यह फायदेमंद साबित होता है। क्योंकि आंवला में फाइबर पाया जाता है, जो शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है।

हंसना मना है

चोलू: कल रात देर से घर पहुंचा तो पत्नी ने परदे फाड़ दिए। मोलू: अच्छा ही हुआ, तुम बच गए। चोलू: घर के नहीं, मेरे कान के परदे फाड़ दिए।

पिंकू: मम्मी, मुझे स्कूल से निकाल दिया गया है। मम्मी: क्यों? पिंकू: मैंने तो बस एक मच्छर मारा था। मम्मी: इतनी सी बात पर कोई नहीं निकालता है। पिंकू: मच्छर टीचर के गाल पर बैठा था।

डॉक्टर: तुम्हारी एक किडनी फेल हो गई है। सोनू: पहले तो बहुत रोया, फिर आंसू पोंछकर बोला साहब ये भी बता दीजिए कि कितने नंबर से फेल हुई है?

दादा: कमर में बहुत दर्द है। जरा शर्मा जी के घर से आयोडेक्स ले आओ। दादी : अरे... वो नहीं देंगे, बहुत कंजूस हैं। दादी: हां हैं तो खानदानी कंजूस। पता नहीं इतने पैसे लेकर कहां जाएंगे? मर जाएंगे यूं ही,ऐसा करो अलमारी से तुम अपना ही आयोडेक्स निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है।

पिंकी मेकअप करके पार्टी में आई, सारे लोग उसे ही देख रहे थे, पिंकी: मैं कैसी दिख रही हूं? बॉयफ्रेंड: क्या बात है आज तो बहुत सुन्दर लग रही हो? पिंकी: ज्यादा मक्खन लगाने की जरूरत नहीं है जाकर ब्यूटी पार्लर वाले का बिल भर आओ।

कहानी | जादूगर का घमंड

एक बार राजा कृष्ण देव राय के दरबार में एक जादूगर आया। उसने बहुत देर तक हैरतअंगेज जादू करतब दिखा कर पूरे दरबार का मनोरंजन किया। फिर जाते समय राजा से ढेर सारे उपहार ले कर अपनी कला के घमंड में सबको चुनौती दे डाली-क्या कोई व्यक्ति मेरे जैसे अद्भुत करतब दिखा सकता है। क्या कोई मुझे यहाँ टक्कर दे सकता है? इस खुली चुनौती को सुनकर सारे दरबारी चुप हो गए। परंतु तेनालीराम को इस जादूगर का यह अभिमान अच्छा नहीं लगा। वह तुरंत उठ खड़े हुए और बोले कि हाँ मैं तुम्हे चुनौती देता हूँ कि जो करतब मैं अपनी आँखें बंद कर के दिखा दूंगा वह तुम खुली आंखो से भी नहीं कर पाओगे। अब बताओ क्या तुम मेरी चुनौती स्वीकार करते हो? जादूगर अपने अहम में अंध था। उसने तुरंत इस चुनौती को स्वीकार कर लिया। तेनालीराम ने रसोइये को बुला कर उस के साथ मिर्ची का पाउडर मंगवाया। अब तेनालीराम ने अपनी आँखें बंद की और उनपर एक मुट्ठी मिर्ची पाउडर डाल दिया। फिर थोड़ी देर में उन्होंने मिर्ची पाउडर झटक कर कपड़े से आँखें पोंछ कर शीतल जल से अपना चेहरा धो लिया। और फिर जादूगर से कहा कि अब तुम खुली आँखों से यह करतब करके अपनी जादूगरी का नमूना दिखाओ। घमंडी जादूगर को अपनी गलती समझ आ गयी। उसने माफी मांगी और हाथ जोड़कर राजा के दरबार से चला गया। राजा कृष्ण देव राय अपने चतुर मंत्री तेनालीराम की इस युक्ति से अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होने तुरंत तेनालीराम को पुरस्कार दे कर सम्मानित किया और राज्य की इज्जत रखने के लिए धन्यवाद दिया।

8 अंतर खोजें

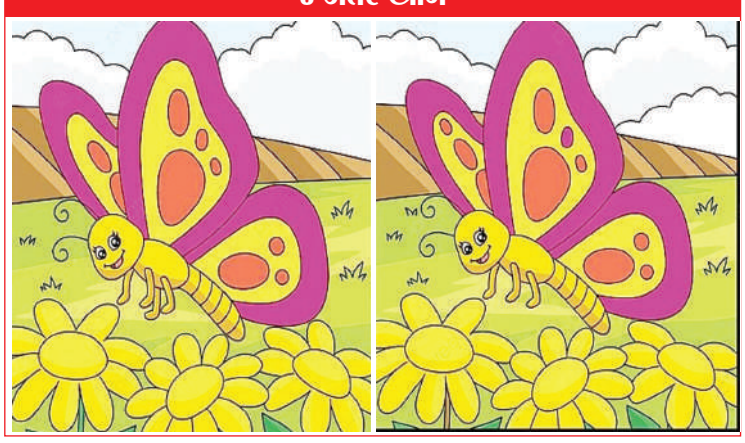

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। तरक्की के नए मौके मिलेंगे। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचें।

वृषभ

आज आपका रुका हुआ धंधा फिर से तरक्की के मार्ग पर चलने लगेगा। स्वजनों के साथ पार्टी-पिकनिक का आनंद मिलेगा। काम की अधिकता रहेगी।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। नौकरी कर रहे जातकों को आज अपने बॉस से कुछ कहासुनी हो सकती है, जिसमें उनको सावधान रहना होगा।

कर्क

आज का दिन आपके लिए कुछ उलझन भरा रहेगा। आज आपको परिवार के किसी सदस्य से कुछ भली बुरी सुनने को मिल सकती है, जिसके कारण आप का मन परेशान रहेगा।

सिंह

आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आप अपनी काबिलियत से काम को सरलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। व्यापारिक धन लाभ में इजाफा होगा।

कन्या

आज आपके प्रभाव में वृद्धि का दिन रहेगा। आज यदि आप किसी ने वाहन मकान दुकान आदि को खरीदने का मन बना रहे हैं,तो उसमें आज आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

तुला

आज आप कुछ रुपए बर्बाद करने वाली वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं, लेकिन यह सब आपको अपनी आय को ध्यान में रखकर ही करना होगा।

वृश्चिक

आज आपके द्वारा किए गए कार्यों से समाज के लोगों का भला होगा। यह भलाई ही आपको जीवन में सफलता दिलाएंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

धनु

आज सफलता मिलने से आपका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा और आप तरक्की खूब करेंगे। आज आपको दूसरों से मिलने-जुलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

मकर

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपके सभी काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। सफर पर अपने किसी खास दोस्त को साथ ले जाएंगे।

कुम्भ

आज आपको शत्रुओं पर विजय मिलेगी। कोई भी काम पूरे मन से करना होगा। कुछ दिनों से आप किसी काम के बिगड़ जाने से परेशान हो रहे हैं।

मीन

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। किसी काम से एक्स्ट्रा भाग-दौड़ करनी पड़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रेम रतन धन पायो में मैंने खुद को किया था स्टाइल : सोनम

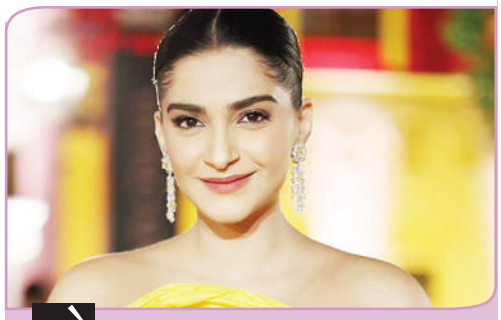

सोनम कपूर एक शानदार एक्ट्रेस होने के साथ-साथ फैशन आइकन भी हैं। अपने फैशन के चलते वह आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। सोनम भारत और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपने स्टाइलिश परिधानों से ट्रेंड सेट करती हैं। सोनम ने हाल ही में यह साझा किया है कि फिल्म प्रेम रतन धन पायो में उन्होंने खुद को स्टाइल किया था। इस फिल्म में वह सलमान खान के साथ नजर आई थीं। सोनम कपूर ने हाल ही में कहा कि 2015 में रिलीज हुई उनकी फिल्म प्रेम रतन धन पायो ने भारत में अच्छा प्रदर्शन किया था। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए सोनम ने एक दिलचस्प बात का खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में खुद को स्टाइल किया था। मैंने पश्चिमी परिधान ही खरीदे थे, लेकिन मेरे सभी भारतीय परिधान अनामिका खन्ना द्वारा डिजाइन किए गए थे। इसके साथ ही उन्होंने अपनी स्टाइलिंग को लेकर भी विचार किया। इस दौरान अभिनेत्री ने शादियों में भाग लेने और फिल्म में कई लड़कियों को एक जैसे कपड़े पहने हुए देखने को याद करते हुए सिनेमा की शक्ति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें यह सब समझ नहीं आया, फिर फिल्म के निर्देशक सूरज बड़जात्या ने उन्हें यह समझाया। सूरज बड़जात्या ने अपनी एक फिल्म में माधुरी दीक्षित द्वारा पहनी गई हरी साड़ी और अमृता राव द्वारा पहनी गई बकाइन और पीली साड़ी का जिक्र किया, और इस बात पर जोर दिया कि कैसे ये पोशाकें दर्शकों को बेहद पसंद आईं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने इस बात पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 20 साल की उम्र में, जब वह अपने दोस्तों की शादियों में शामिल होती थीं, तो उन्होंने उनमें से कई को वही पोशाक पहने हुए देखा जो उन्होंने फिल्म में पहनी थीं। सोनम कपूर ने फैशन के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में खुलासा करते हुए खुलासा किया कि उन्होंने कभी भी किसी फैशन हैंडबुक का पालन नहीं किया है। अभिनेत्री ने बताया कि वह हर दिन एक अलग मूड के साथ उठती हैं, हर दिन वह एक अलग व्यक्तित्व का प्रतीक होती हैं। सोनम के अनुसार, कपड़ों के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करना यह बताने का एक सशक्त तरीका है कि वे एक व्यक्ति के रूप में कौन हैं।

सिम्बा का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

अजय देवगन का दिखा धांसू अंदाज

बॉलीवुड | मसाला

रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म सिंघम अगेन इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। सिंघम, सिम्बा और सूर्यवंशी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की फैंचाइजी चलाने वाले रोहित शेट्टी अब अपनी नई फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। डायरेक्टर रोहित शेट्टी अब सिंघम अगेन को लेकर जल्दी ही बड़ी स्क्रीन पर वापसी करेंगे । आज उन्होंने फिल्म से अपने एक ऑफिसर का फर्स्ट लुक जारी किया है।

कॉप यूनिवर्स का अहम किरदार निभाने वाले एक्टर अजय देवगन ने खुद फिल्म से रणवीर का नया लुक सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है। पोस्टर में रणवीर का शानदार सिंबा वाला अंदाज सबको खूब पसंद आ रहा है। पोस्टर की खास बात ये है कि रणवीर के साथ पोस्टर में हनुमान जी भी नजर आ रहे हैं जो फिल्म को लेकर फैंस की बेसब्री को और बढ़ा रहा है । रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में रणवीर सिंह ने सिंबा बनकर खूब एक्शन किया था। वहीं एक्टर ने सूर्यवंशी में भी अक्षय कुमार और अजय देवगन के साथ मिलकर दर्शकों को काफी एंटरटेन किया था।

बात करें फिल्म से दीपिका और टाइगर श्रॉफ के लुक कि इस बार कप यूनिवर्स में ये दो नए किरदार भी शामिल होने जा रहे हैं । फिल्म के डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने खुद दोनों के फिल्मी अवतार की झलक फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की थी। दर्शकों का भी इन दोनों के लिए मिक्स रिस्पांस देखने को मिल था। एक्ट्रेस फिल्म में लेडी सिंघम का किरदार निभाते हुए नजर आएंगी तो वहीं टाइगर श्रॉफ स्पेशल टास्क फोर्स ऑफिसर सत्या के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंघम अगेन अगले साल 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये फिल्म अल्लू अर्जुन की पुष्पा-2 से क्लैश करेगी। जो भी सिंघम अगेन को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट पीक पर है।

लव-सेक्स और धोखा 2 को लेकर एकता आर कपूर ने फैंस को दिया बड़ा हिंट

एकता आर कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म लव, सेक्स और धोखा 2 के साथ स्क्रीन पर प्यार और थ्रिल को फिर से परिभाषित करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बनाई गई इस फिल्म का दर्शकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। लेकिन जब दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ खींचने की बात आती है, तब एकता हमेशा एक कदम आगे रहती हैं। इस बार भी वह नेशनल टेक्स्ट योर एक्स डे और हैलोवीन डे के लिए कुछ बड़ा करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में एकता ने दर्शकों के उत्साह को एक कदम आगे ले जाते हुए, अपने सोशल मीडिया पर जले हुए टेडी बियर और बम वाले केक की स्लाइडिंग तस्वीरें शेयर की है। लेकिन, नेशनल टेक्स्ट योर एक्स डे और हैलोवीन डे के टॉपिक से अलग, एकता ने लव, सेक्स और धोखा 2 के लिए उत्साह बढ़ा दिया है। दर्शकों को बांधे रखते हुए, निर्माता एकता ने कैप्शन में लिखा है - LSD 1 के लिए धोखा कार्ड !!! कल वर्ल्ड एक्स डे है और LSD 2 वर्ल्ड एक्स डे और हैलोवीन जैसे दोनो दिनों को वर्ल्ड धोखा डे के रूप में मनाता है। ज्यादा जानकारी के लिए साथ बने रहे।

बालाजी टेलीफिल्म्स की आगामी लव, सेक्स और धोखा 2-डिजिटल युग में प्यार और विश्वासघात की एक दिलचस्प कहानी, लेकर आ रही है । लव सेक्स और धोखा 2 बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और कल्ट मूवीज द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और दिबाकर बनर्जी द्वारा निर्देशित है।

अजब-गजब | ये हैं अजब-गजब नौकरियां! मिलती है मोटी सैलरी

कहीं सोने के तो कहीं रोने के मिलते हैं पैसे

टेक्नोलॉजी के विस्तार के साथ कई तरह की नौकरियां आ रही हैं। लेकिन आज हम आपको दुनिया की 5 अजब-गजब नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं। कहीं सिर्फ सोने के लिए लाखों रुपये मिलते हैं तो कहीं रोने की नौकरी है। आपको सिर्फ रोना है और इसके लिए पैसे मिलेंगे। कुछ जगह तो पैसेंजर्स को धक्का देने के लिए? भी पैसे मिलते हैं।

बेंगलुरु की ऑनलाइन फर्म वेकफिट ने हाल ही में एक नौकरी ऑफर की थी। सिर्फ 9 घंटे सोना था और इसके लिए कंपनी एक लाख रुपये दे रही थी। शर्त सिर्फ यह थी कि उनके बनाए गद्दे पर आपको सोना था। इसी तरह फिनलैंड के कई होटल जॉब ऑफर करते हैं। वहां कमरों में बिछे बिस्तर कितने आरामदायक हैं, इसका परीक्षण करने के लिए प्रोफेशनल स्लीपर नियुक्त किए जाते हैं। इनकी कमाई लाखों रुपये महीना होती है। रोजाना होटल के अलग-अलग बिस्तरों पर सोकर बताना होता है कि उनके बिस्तर आरामदायक हैं या नहीं।

अंतिम संस्कार के वक्त रोने के लिए दिए जाते पैसे

इससे भी अजीबोगरीब नौकरी दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ देशों में ऑफर की जाती है। वहां अंतिम संस्कार के वक्त रोने के लिए लोग नहीं मिलते तो प्रोफेशनल्स यह काम करते हैं। उन्हें इसके लिए

बकायदा सैलरी दी जाती है। उनका काम सिर्फ अंतिम संस्कार के वक्त रोना होता है। अगर आपने बॉलीवुड हिंदी फिल्म 'रुदाली' देखी है तो इस नौकरी को अच्छे से समझ पाएंगे। इसमें डिंपल कपाड़िया शोक समारोह में जाकर रोती हैं।

पेट्स का खाना चखने की भी नौकरी

अमेरिका-ब्रिटेन जैसे देशों में एक और अजीबोगरीब नौकरी मिलती है। यहां घर में पाले जाने वाले जानवरों का फूड चखने के लिए प्रोफेशनल्स रखे जाते हैं। वे बताते हैं कि डॉग या कैट को यह फूड पसंद आएगा या नहीं। जब भी पेट्स के लिए नए खाद्य पदार्थ, जैसे बिस्किट, डिब्बाबंद मांस आदि बनते हैं तो इनका स्वाद चखने की जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। अगर इन्होंने खराब बता दिया तो उसे मार्केट में नहीं उतारा जाता। कई कंपनियां इस तरह की नौकरियां ऑफर करती हैं।

पैसेंजर्स को धक्का देने के लिए मिलते पैसे

न्यूयॉर्क, टोक्यो और बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो और ट्रेनों में यात्रियों को अंदर धकेलने के लिए पुशर तैनात किए जाते हैं। इनका काम होता है कि जब ट्रेन आकर रुके और जाने की सीटी बजाए तो लोगों को अंदर ठूंस दें ताकि गेट बंद किया जा सके। अगर ऐसा नहीं कर पाते तो गेट बंद नहीं होगा और तब तक ट्रेन नहीं चलेगी। इन स्टेशनों पर भीड़ बहुत ज्यादा होती है। इसलिए ऐसा किया जाता है।

सांप का जहर निकालने की जॉब

कमजोर दिल वालों के लिए यह नौकरी तो बिल्कुल नहीं है। सिर्फ ऐसे लोग ही यह नौकरी कर सकते हैं जो सांपों के बीच रहना जानते हैं। जिन्हें सांपों के साथ खेलना आता है। इन लोगों का काम होता है सांपों का जहर निकालना। इस जगह का इस्तेमाल कई तरह की दवाएं बनाने में किया जाता है। इस प्रक्रिया के लिए बहुत सावधानी बरती जाती है, लेकिन गलती से भी जहर किसी के मुंह में चला गया तो सोचिए उसकी हालत क्या होगी।

क्या प्लेन में भी होता है हॉर्न? आखिर कब बजाता है पायलट?

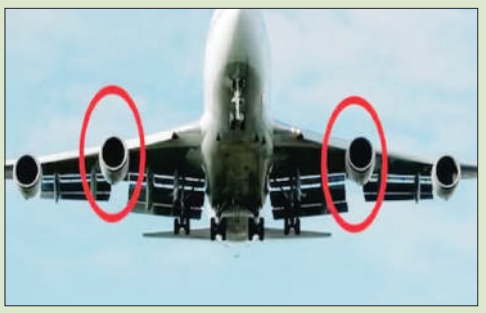

आज के समय में सड़कों पर वाहनों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ गई है। पहले कम वाहन थे तो एक्सीडेंट भी कम होते थे। लेकिन अब जब सड़कों पर वाहनों की भीड़ है तो ऐसे में एक्सीडेंट्स भी काफी ज्यादा होने लगे हैं। साइकिल के समय से ही एक्सीडेंट्स से बचने के लिए हॉर्न का इस्तेमाल होता था। अब तो बाइक हो या कार सबमे ही हॉर्न मौजूद होता है। अगर ट्रक की बात करें तो इसमें बेहद तेज आवाज वाले हॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है ताकि एक्सीडेंट की संभावना को टाला जा सके। हॉर्न की आवाज से लोग वाहन के बारे में जान जाते हैं और सतर्क हो जाते हैं। ऐसे में एक्सीडेंट्स के चान्सेस कम हो जाते हैं। छोटी सी बाइक में भी एक्सीडेंट से बचने के लिए हॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या विशाल एरोप्लेन में भी हॉर्न मौजूद होते हैं? क्या एरोप्लेन में लगे हॉर्न का इस्तेमाल भी एक्सीडेंट्स को टालने के लिए किया जाता है? अगर प्लेन में हॉर्न होते हैं तो आखिर इसकी आवाज कैसी होती है? आसमान में उड़ते प्लेन को हॉर्न बजाने की अनुमति नहीं होती। हालांकि, जब प्लेन लैंड करता है तब ही पायलट हॉर्न बजा सकता है। इसका इस्तेमाल सिर्फ जमीन पर किया अजा सकता है। हॉर्न का यूज ग्राउंड इंजीनियर और स्टाफ से कांटेक्ट करने के लिए किया जाता है। अगर पायलट को लैंडिंग के दौरान कोई खतरा महसूस हुआ है और उसे ग्राउंड स्टाफ को इससे सावधान करना है तब वो हॉर्न बजाता है। ताकि ग्राउंड स्टाफ सतर्क हो जाए।

भाजपा को नकार कर बनेगी कांग्रेस सरकार : नकुलनाथ

सात दिसंबर को कमलनाथ फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सांसद बेटे नकुल नाथ ने कहा है कि सात दिसंबर को कमलनाथ फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। नकुलनाथ ने पहले अपनी संसदीय सीट की तीन विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की। बाद में जब कांग्रेस की लिस्ट आई तो यही नाम उसमें शामिल रहे। उन्होंने के शिवराज की सरकार के दिन अब लद गए। भाजपा को मध्यप्रदेश के लोगों ने नकार दिया है।

उधर मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बीच सामने आ रहीं नाराजगी की खबरों पर खुद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सफाई दी। उन्होंने भोपाल में अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा में कहा कि जिस तरह की खबरें चल रही हैं, ऐसी कोई बात नहीं है। दिल्ली में प्रियंका जी, राहुल जी और खड़गे जी के दौरे को लेकर बैठक हुई थी। इसमें हमने इन सभी नेताओं के दौरे और सभाओं को लेकर विचार-मंथन किया है। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच नाराजगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि नाराजगी जैसी कोई बात ही नहीं है।

जय-वीरू की जोड़ी लूट के माल के लिए लड़ रही : शिवराज

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच मनमुटाव की खबरों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह जय-वीरू की जोड़ी लूट के माल के लिए लड़ रही है। जय-वीरू का झगड़ा लूट के माल के लिए है।

गब्बर सिंह का हिसाब हम ही करेंगे : कमलनाथ

इस पर कमलनाथ ने पलटवार किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि शिवराज जी, जय और वीरू ने ही अत्याचारी गब्बर सिंह का हिसाब किया था। मध्य प्रदेश 18 साल से अत्याचार से त्रस्त है। अत्याचार के अंत का समय आ गया है। बाकी आप समझदार हैं। वहीं केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में 2200 से अधिक कैदी हैं। 17 नवम्बर 2023 को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। लेकिन मात्र आठ कैदी ही अपने मत का प्रयोग कर पाएंगे। हालांकि जो अन्य बंद कैदी हैं उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं, लेकिन नियम अनुसार विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों को वोट डालने की अनमुति नहीं होती, इसलिए केवल आठ कैदी ही अपने मताधिकार का उपयोग चुनाव में कर पाएंगे।

बीजेपी ने लगाया दो कांग्रेस प्रत्याशियों पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

भारतीय जनता पार्टी के विधि विभाग ने कांग्रेस प्रत्याशी अजय सिंह राहुल भैया और मनोज शुक्ला पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाया है। बीजेपी ने इन दोनों ही प्रत्याशियों की शिकायत चुनाव आयोग में की है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने शिकायत में कहा चुरहट से कांग्रेस प्रत्याशी अजय सिंह ने तय फॉर्मेट में संपत्ति का वितरण नहीं दिया है। उन्होंने नामांकन में कई कॉलम रिक्त रखे हैं। वहीं, नरेला से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला का नामांकन निरस्त करने की मांग भी बीजेपी ने की है। भाजपा का आरोप है कि नरेला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला के शपथ पत्र में शासकीय देनदारियों और परिवार सहित जानकारी छिपाई गई हैं।

ईडी राजनीतिक हथियार बना अदालतें हों सख्त : सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- अब पीएमएलए के घोर दुरुपयोग को लेकर जागने की जरूरत

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कपिल सिब्बल ने कहा कि ईडी और नेताओं को जमानत से इनकार सरकार के हाथों में नया राजनीतिक हथियार बन गया है। समय आ गया है कि अदालतें अब पीएमएलए के घोर दुरुपयोग पर जाग जाएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि अब समय आ गया है कि अदालतें धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के घोर दुरुपयोग को लेकर जाग जाएं।

ज्ञात हो कि केजरीवाल को पीएमएलए के तहत समन जारी किया गया है और सूत्रों के अनुसार आबकारी नीति से संबंधित मामले में ईडी दो नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे अपने दिल्ली कार्यालय में मुख्यमंत्री के आने पर उनके बयान दर्ज करेगी। विपक्षी नेताओं की प्रमुख आवाज और वरिष्ठ वकील सिब्बल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''केजरीवाल को ईडी ने समन किया है। ईडी लगभग सभी विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बना रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईडी और नेताओं को जमानत से इनकार सरकार के हाथों में नया राजनीतिक हथियार बन गया है। समय आ गया है कि अदालतें अब पीएमएलए के घोर दुरुपयोग पर जाग जाएं। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति मामले में जमानत नहीं दिए जाने के बाद एक अन्य पोस्ट में सिब्बल ने कहा था कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया' गठबंधन) को एक स्वर में आवाज उठानी चाहिए क्योंकि सभी विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा था, ''उच्चतम न्यायालय ने सिसोदिया की जमानत खारिज कर दी। प्रक्रिया ही सजा है। सभी विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें जेल भेजो, सबूत बाद में आ सकते हैं। 'इंडिया' गठबंधन को निश्चित रूप से इस पर एक स्वर में बोलना चाहिए।'

हालात सामान्य के दावे तो क्यों नहीं हो रहे चुनाव : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं। अगले कुछ महीनों में लोकसभा चुनाव होंगे, लेकिन जिन चुनाव का जम्मू कश्मीर की जनता इंतजार कर रही हैं, वो तो अभी होते नहीं दिख रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सरकार बार-बार दावा करती है कि हालात सामान्य हो चुके हैं तो फिर विधानसभा चुनाव क्यों नहीं कराए जाते हैं। नेकां के उपाध्यक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को स्थानीय निकाय, पंचायत और डीडीसी चुनावों के बारे में सूचित किया गया, लेकिन जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, जिसके लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जहां तक उत्तरी कश्मीर से लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार का सवाल है, तो पार्टी आलाकमान के सामने उत्तरी कश्मीर से एक बेहतर उम्मीदवार के लिए अपने विचार रखेंगे लेकिन अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान द्वारा लिया जाएगा।

प्रदूषण सिर्फ कागजों में हो रहा खत्म : सुप्रीम कोर्ट

» कोर्ट चिंतित, दिल्ली समेत पांच राज्यों से जवाब-तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण की स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर से बाहर कदम रखना भी मुश्किल हो गया है। कुछ दशक पहले तक यह दिल्ली का सबसे अच्छा समय होता था, लेकिन अब हालात अलग हैं। प्राधिकरणों की नाकामी का उल्लेख करते हुए पीठ ने कहा, सभी चीजें कागजों पर हैं, पर जमीनी हकीकत कुछ और है। शीर्ष कोर्ट ने केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से हलफनामा दायर कर प्रदूषण रोकने के लिए किए गए उपायों की जानकारी मांगी है।

जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस पीके मिश्र की पीठ ने कहा, सभी राज्य एक हफ्ते में हलफनामा दायर कर जानकारी देंगे। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा, पराली जलाना वायु प्रदूषण के मुख्य कारणों में से एक है। पंजाब में भारी संख्या में पराली जलाई जा रही है। मामले की अगली सुनवाई सात नवंबर को होगी।

जस्टिस कौल ने कहा, अब भी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) बेहद खराब स्थिति में है। एक्यूआई में कोई सुधार नहीं हो रहा है। आने वाली पीढ़ियों पर इसका बुरा असर पड़ेगा। केंद्र की ओर से पेश वकील ने कहा, सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। दाखिल रिपोर्ट में बीते तीन साल व मौजूदा हालात के बारे में बताया है। दो दिन में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी हैं, लेकिन यह पिछले साल की तुलना में 40 फीसदी कम है।

लखनऊ में बढ़ रहे डेंगू के मामले, अब तक एक की मौत, कुल 1700 केस मिले

लखनऊ। मौसम भले ही करवट ले रहा हो लेकिन राजधानी में डेंगू के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंगलवार को 36 नए मरीज मिले। चंदरनगर, सरोजनीनगर, इंदिरानगर और चिनहट में पांच-पांच मरीज मिले। अलीगंज में चार केस सामने आए। एनके रोड, रेडक्रॉस और सिल्वर जुबली क्षेत्र में तीन-तीन मरीज मिले। ऐशबाग में दो और मोहनलालगंज में एक मरीज मिला। स्वास्थ्य विभाग ने राजाजीपुरम और चारबाग के 1287 घरों व इनके जायजा लिया। आठ घरों में मच्छर पनपने के हालात मिलने पर नोटिस जारी किया गया। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार राजधानी में अब तक डेंगू से एक व्यक्ति की मौत हुई है तथा 1700 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, डेंगू जैसे लक्षण और बुखार से अब तक 10 ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

पाकिस्तान ने तोड़ा बांग्लादेश का सपना

वर्ल्ड कप 2023 से बाहर होने वाली पहली टीम बनी, पाक टीम के सेमीफाइनल खेलने की उम्मीद बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के साथ ही टीम का सेमीफाइनल खेलने का सपना भी चकनाचूर हो गया। टीम के स्टार खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके, जिसके चलते टीम को इस मेगा इवेंट से बाहर होना पड़ा है।

पाकिस्तान ने लगातार 4 हार के बाद जीत दर्ज की है। टीम ने कोलकाता में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। इस जीत के साथ टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। पाकिस्तान इस वक्त 7 मैचों में 3 जीत के बाद 6 पॉइंट्स लेकर 5वें नंबर पर है। टीम लगातार 2 मैच जीतकर सेमीफाइनल की रेस में बना रह सकता है। जबकि बांग्लादेश 7 मैचों में 6 हार के बाद सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुका है। बांग्लादेश के स्टार बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। लिटन दास टीम को अच्छी शुरुआत देने में नाकाम रहे, तो शांतो का बल्ला पूरी तरह से खामोश नजर आया। वहीं, मिडिल ऑर्डर में कप्तान शाकिब अल हसन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। महमूदुल्लाह ने जरूर कुछ अच्छी पारियां खेली, लेकिन तब तक बात हाथ से निकल चुकी थी।

नहीं चले तेज गेंदबाज

बल्लेबाजों के साथ-साथ बांग्लादेश के गेंदबाजों का प्रदर्शन भी बेहद शर्मनाक रहा। मुस्ताफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद जैसे तेज गेंदबाज टूर्नामेंट में विकेटों के लिए तरसते हुए नजर आए। मुस्ताफिजुर और तस्कीन रनों पर भी लगाम लगाने में असफल रहे। पाकिस्तान के खिलाफ भी बांग्लादेश के फास्ट बॉलर ने दिल खोलकर रन लुटाए। तस्कीन अहमद ने 6 ओवर में 36 रन खर्च किए, तो शोरिफुल इस्लाम ने सिर्फ 4 ओवर में 25 रन लुटाए। बांग्लादेश की सबसे बड़ी ताकत टीम के स्पिन गेंदबाज मान जाते हैं। हालांकि, वर्ल्ड कप 2023 में टीम की सबसे बड़ी ताकत ही कमजोर बनकर उभरी। मेहंदी हसन मिराज और खुद कप्तान शाकिब अल हसन अहम समय पर टीम को विकेट दिलाने में नाकाम रहे। बांग्लादेश के स्पिन बॉलर्स विकेटों के लिए पूरे टूर्नामेंट में तरसते हुए दिखाई दिए। टीम के स्पिनर्स बीच के ओवरों में साझेदारी को भी तोड़ने में नाकाम रहे, जो टीम की हार का अहम कारण भी रहा।

तीस्ता सीतलवाड़ और उनके पति जावेद को सुप्रीम राहत

एनजीओ फंड में गड़बड़ी के मामले में आया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनजीओ फंड में गड़बड़ी का मामले में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और उनके पति जावेद आनंद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया है। जिससे दोनों की अग्रिम जमानत बनी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार की अंतरिम अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता और उनके पति को जांच में सहयोग करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम अग्रिम जमानत को नियमित अग्रिम जमानत किया। जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। इस दौरान गुजरात सरकार की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि दोनों जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं, उनको इस तरह गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं दिया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट ने धन के गबन के मामले में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और उनके पति जावेद आनंद को अग्रिम जमानत देने के गुजरात हाईकोर्ट के 2019 के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। इसमें दंपति को मामले में जांच एजेंसी के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया गया है। यह केस 2002 के गुजरात दंगों के पीड़ितों के लिए जुटाए गए धन के कथित गबन को लेकर गुजरात पुलिस द्वारा दंपत्ति के खिलाफ दर्ज की गई तीन एफआईआर से संबंधित है। दंपति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उनके खिलाफ मामले आठ साल से लंबित हैं। सिब्बल ने अदालत को बताया कि पुलिस ने वर्षों बाद भी मामलों में अभी तक आरोप पत्र दाखिल नहीं किया है और दंपति को कई साल पहले जमानत मिल गई थी। पीठ ने कहा कि समय बीतने और आरोपपत्र दाखिल किए जाने के साथ, याचिका निष्प्रभावी हो गई है।

भारत-बांग्लादेश ने रिश्तों की एक और नई इबारत लिखी: पीएम मोदी

शेख हसीना के साथ तीन बड़ी परियोजनाओं का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि एक बार फिर हम भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए जुड़े हैं। हमारे रिश्ते लगातार नई ऊंचाईयां छू रहे हैं। पिछले 9 वर्षों में हमने मिलकर जो काम किया है, वह इससे पहले के दशकों में भी नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के साथ बुधवार को संयुक्त रूप से तीन भारतीय सहायता प्राप्त विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। दोनों नेताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

ये तीन परियोजनाएँ हैं- अखौरा-अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की परियोजनाओं के उद्घाटन पर पीएम शेख हसीना ने कहा कि मैं हमारे दोनों देशों के बीच दोस्ती के बंधन को मजबूत करने की आपकी प्रतिबद्धता के लिए अपना आभार व्यक्त करती हूं। आज अखौरा-अगरतला रेल लिंक का उद्घाटन एक ऐतिहासिक क्षण है। यह बांग्लादेश और भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के बीच पहला रेल लिंक है। मुक्ति संग्राम के दिनों से ही त्रिपुरा का बांग्लादेश के साथ मजबूत रिश्ता रहा है। मुझे खुशी है कि हमने मैत्री थर्मल पावर प्रोजेक्ट की दूसरी इकाई का उद्घाटन किया है।

अरबों रुपये के हैं प्रोजेक्ट

अखौरा-अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक परियोजना को भारत सरकार द्वारा बांग्लादेश को दी गई 392.52 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के तहत क्रियान्वित किया गया है। बांग्लादेश में 6.78 किमी दोहरी गेज रेल लाइन और त्रिपुरा में 5.46 किमी के साथ रेल लिंक की लंबाई 12.24 किमी है। खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन परियोजना को भारत सरकार की रियायती ऋण सुविधा के तहत 388.92 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल परियोजना लागत के साथ कार्यान्वित किया गया है। इस परियोजना में मोंगला बंदरगाह और खुलना में मौजूदा रेल नेटवर्क के बीच लगभग 65 किमी ब्रॉड गेज रेल मार्ग का निर्माण शामिल है। 1.6 बिलियन अमरीकी डालर के भारतीय रियायती वित्तपोषण योजना ऋण के तहत मैत्री सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, बांग्लादेश के खुलना डिवीजन के रामपाल में स्थित 1320 मेगावाट (2×660) सुपर थर्मल पावर प्लांट (एमएसटीपीपी) है।

गाजियाबाद में मीट एक्सपोर्टर कंपनी पर आईटी की रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में मीट फैक्ट्री पर आयकर का छापा पड़ा है। गाजियाबाद में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने मीट एक्सपोर्ट करने वाली एक फैक्ट्री पर रेड डाली है। यह रेड मंगलवार को दिन में 12 बजे शुरू हुई है और तब से चल रही है। इस रेड में करीब 20 अधिकारी और 40 पुलिस के जवान शामिल है। यह रेड गाजियाबाद के कस्बा डासना मसूरी के इलाके में बनी मीट फैक्ट्री में चल रही है।

जानकारी के मुताबिक, भोजपुर थाना क्षेत्र में गांव त्यौड़ी निवासी हाजी यासीन कुरैशी की कस्बा डासना मसूरी में इंटरनेशनल एग्रो फूड कंपनी है। यहां भैंसों का कटान होता है। यहां से मीट विदेशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। यासीन कुरैशी फिलहाल मुंबई में परिवार सहित रहते हैं। इस फैक्ट्री को उनका बेटा हाजी जावेद संभालता है। 20 अधिकारियों और 40 जवानों ने मंगलवार दोपहर 12 बजे इस फैक्ट्री पर छापामार कार्रवाई की।

हमने राज्य-प्रायोजित हमलावरों को लेकर चेतावनी जारी की थी: एप्पल

कंप्यूटर इमरजेंसी रिसर्च टीम ने 27 अक्टूबर को 150 देशों को दी थी एडवाइजरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले एप्पल ने भारत में विपक्षी सांसदों सहित कुछ कस्टमर्स को राज्य-प्रायोजित हमलावरों को लेकर चेतावनी जारी की थी।

एप्पल ने कहा था कि कुछ लोग आपके फोन के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं, इसके बाद सरकार ने भी एप्पल के कई उत्पादों में कई खामियां मिलने की बात कही थी। इसे लेकर उच्च गंभीरता श्रेणी की रेटिंग भी जारी की गई, सरकार ने उस दौरान कंपनी के उत्पादों में कई

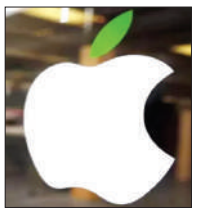

खामी होने की बात करते हुए हाई सेवेरिटी रेटिंग भी जारी की थी। एप्पल की एडवाइजरी 150 देशों में जारी हुई थी। कंप्यूटर इमरजेंसी रिसर्च टीम या सीईआरटी के अनुसार, एडवाइजरी पहली बार 27 अक्टूबर को जारी की गई थी। इससे चार दिन पहले एप्पल के संदेशों और/ईमेल के स्क्रीनशॉट एक्स, पूर्व में ट्विटर पर साझा किए गए थे, जिसमें कहा गया था कि अलर्ट, राज्य प्रायोजित हैकर्स आपके फोन को टारगेट कर सकते हैं।

आजम के जौहर ट्रस्ट को ही निशाना बना रही योगी सरकार: दानिश अली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। रामपुर में मौलाना मोहम्मद जौहर ट्रस्ट से भूमि वापस लेने के प्रस्ताव पर सरकार के मंजूरी देते ही अमरोहा से बसपा सांसद दानिश अली आजम खां के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार पर आजम खां को निशाना बनाते हुए उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने का आरोप लगाया है।

बोले-मुस्लिम बच्चों को न करें परेशान

उन्होंने पोस्ट के माध्यम से कहा कि पढ़ने वाले बच्चे और मुस्लिम समाज को साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। इस पोस्ट के बाद एक बार फिर से वह चर्चाओं में आ गए हैं। बसपा में होने के बाद भी अचानक आजम खां के प्रति लगाव को लेकर लोग इसे दूसरे रूप में देख रहे हैं। अमरोहा सांसद पिछले काफी समय से सुर्खियों में बने हुए हैं।

गाजा के शरणार्थियों पर इजरायल ने बरपाया कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेलअवीब। इजरायल और हमास के बीच पिछले 25 दिनों से जारी जंग थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल के दिनों में गाजा पर इजरायल के हमले तेज हो गए हैं, अब तक साढ़े नौ हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, इस बीच इजरायल ने अपने ताजा हमले में उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर को निशाना बनाया है, हमले में 50 लोगों की मौत हो गई तो वहीं 150 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, इसी हमले में अल जजीरा के एक इंजीनियर ने अपने परिवार के 19 सदस्यों को खो दिया है।

एक ही परिवार के 19 लोगों की मौत

अलजजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इंजीनियर मोहम्मद अबू अल-कुमसन ने जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायली हवाई हमलों में अपने पिता और दो बहनों सहित परिवार के 19 सदस्यों को खो दिया है। जबालिया शरणार्थी शिविर हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए अल जजीरा ने इसकी निंदा की है। अल जजीरा ने अपने बयान में कहा कि, हम जघन्य और अंधाधुंध इजरायली बमबारी की कड़ी निंदा करते हैं, इस हमले में हमारे समर्पित एसएनजी इंजीनियर, मोहम्मद अबू अल-कुम्सन के परिवार के 19 सदस्यों की मौत हो गई, यह बेहद दुखद और अक्षम्य है।

लोगों ने बताया इसे नरसंहार

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि जबलिया नरसंहार के दौरान मोहम्मद ने अपने पिता, दो बहनों, आठ भतीजों और भतीजियों, उनके भाई, उनके भाई की पत्नी और उनके चार बच्चों, उनकी भाभी और एक चाचा को खो दिया। उधर, गाजा के प्रवक्ता इयाद अल-बजुम ने खान यूनिस के एक अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन इमारतों में सैकड़ों नागरिक रहते हैं, इजरायल ने इस इलाके को पूरी तरह से तबाह कर दिया है, यह नरसंहार है, फिलिस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी गाजा में घनी आबादी वाले इलाके जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायली हमले में 50 से अधिक लोग मारे गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।